शीला माता मंदिर अग्रोहा

शीतल कुमार अग्रवाल

अग्रोहा पुनरोत्थान के सूत्रधार प्रसिद्ध समाजसेवी दानवीर अग्रवाल समाज के प्रेरणाश्रोत आदरणीय **सेठ श्री तिलकराज जी अग्रवाल** का **आज हम जन्मशताब्दी** वर्ष मना रहे हैं। उनका सम्पूर्ण जीवन अग्रवाल समाज के उत्थान एवं अग्रोहा के पुनरोत्थान में समर्पित रहा। आपका जन्म 29 नवम्बर 1922 को स्यालकोट के डस्का ग्राम में हुआ था। आप हमेशा अग्रवाल समाज एवं आर्य संस्कृति के शुभ चिन्तक थे विद्यार्थी जीवन से ही आप कांग्रेस में जब विदेषी वस्त्रों का बहिस्कार का आन्दोलन प्रारम्भ किया उसमें अग्रणी रहे। आर्य समाज द्वारा हैदराबाद आन्दोलन किया तथा पंजाब व्यापार मंडल के बिक्री कर के विरूद्ध सत्याग्रह में आपको 25 दिन तक कारावास की सजा हुई।

आजादी के आन्दोलन में भारत विभाजन के पश्चात आपको स्यालकोट छोड़ना पड़ा और दिल्ली में और फिर 1962 में बम्बई में अग्रवाल मेटल कम्पनी के नाम से व्यवसाय प्रारम्भ किया। श्री तिलकराज जी अग्रवाल मेटल मार्केट में चाहे वह बोम्बे मेटल एक्सचेंज, बोम्बे नॉन फेरस मेटल, कलकत्ता मेटल मार्केट, दिल्ली मेटल मार्केट हो सभी में अपनी विशेष पहचान रखते थे। लंडन मेटल एक्सचेंज, अमरीका, कनाडा आदि विदेशों में भी मेटल मार्केट के लिए काफी सक्रिय थे।

दिल्ली में भी आपने अग्रवाल सभा की स्थापना की, अग्रवाल हॉस्पीटल शक्ति नगर, अग्रसेन बगीची ट्रस्ट, महाराजा अग्रसेन आश्रम ट्रस्ट हरिद्वार व अनेकानेक सामाजिक संस्थाओं की स्थापना की। अग्रसेन सभा लंडन, अमरीका, कनेडा इत्यादि में भी आपने अग्रवाल सभा का गठन कराया। 1965 में अग्रवाल सेवा समाज, मुंबई का अध्यक्ष बनने के पश्चात बम्बई में अग्रवालों के संगठन का एक नया सूत्र प्रारम्भ किया। बम्बई में **श्री तिलकराज हेमराज अग्रवाल चेरिटेबल ट्रस्ट** द्वारा निमित अग्रसेन भवन आपकी ही देन है।

अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन, अग्रोहा विकास ट्रस्ट, अग्रोहा विकास संस्थान एवं महाराजा अग्रसेन मेडिकल कॉलेज का गठन, अग्रोहा का नव निर्माण करने के लिए सन् 1965 में मास्टर श्री लक्ष्मीनारायण अग्रवाल एवं श्री तिलकराज अग्रवाल-मुंबई द्वारा अग्रोहा में अग्रसेन इंजीनियरिंग एण्ड टैक्नीकल कॉलेज सोसायटी बनाई। सोसायटी का रजिस्ट्रेशन करा कर 400 बीघा जमीन अगोहा में कॉलेज बनाने के लिए खरीदी।

अक्टूबर 1976 को श्री तिलकराज अग्रवाल अध्यक्ष-अग्रसेन इंजीनियरिंग एण्ड टैक्नीकल कॉलेज सोसायटी द्वारा 23 एकड़ जमीन अग्रोहा विकास ट्रस्ट को निर्माण हेतु प्रदान की और मई 1977 तक अग्रोहा में पानी के अभाव में हिसार से टैंकरों द्वारा जल की व्यवस्था करके 22 कमरों की अतिथिशाला का निर्माण **श्री तिलकराज अग्रवाल के संयोजन में किया गया**।

श्री तिलकराज जी तन-मन-धन से अगोहा विकास करने का संकल्प ले चुके थे इस लिए अपने संकल्प को पूरा करने के लिए उन्होंने अग्रोहा विकास संस्थान नाम से एक नई संस्था बनाई और ट्रस्ट से एक किलो मीटर दूर शीला माता की मढि बनी हुई थी उसी पर एक भव्य मंदिर बनाने का निर्माण प्रारम्भ किया ।

8 जनवरी 1988 को आकस्मिक हृदय गति रूक जाने से उनका निधन हो गया । उसके बाद मंदिर के अधूरे कार्य को उनके सुपुत्रों **श्री शीतल कुमार अग्रवाल एवं श्री विनोद कुमार अग्रवाल** ने पूरा किया। मंदिर में आदि शक्ति माँ दुर्गा, विद्या बुद्धिदायिनी माँ सरस्वती, माँ लक्ष्मीजी, शिव परिवार, श्री रामदरबार, श्री राधा गोविन्द, श्री रामभक्त हनुमानजी आदि देव प्रतिमाऐं एवं अग्रकुल प्रवर्तक महाराजा अग्रसेन जी की प्रतिमा प्रतिष्ठित हैं। जानकी कुटीर, एवं अनेकानेक सुगन्धित पुष्पों तथा लेण्डस्केप, फब्बारे, आदि से सुशोभित भव्य गार्डन मंदिर की

गरिमा में चार-चाँद लगाते हैं मंदिर की छवि देखते ही बनती है। शीला माता शक्ति मंदिर की अधिक जानकारी उसकी बेबसाइट **www.agrohasheelamatamandir.com** पर उपलब्ध है।

श्री तिलकराज जी की अग्रोहा के प्रति समर्पण लगन- निष्ठा संगठन प्रेम, दानशीलता को देखते हुए अग्रोहा विकास ट्रस्ट द्वारा 1995 से प्रारम्भ श्री रामप्रसाद राष्ट्रीय पुरस्कार 1996 में श्री शीतल कुमार अगवाल को उनकी अग्रोहा के प्रति प्रेमभावना, निष्ठा एवं समर्पण को देखते हुए प्रदान कर सम्मानित किया गया। आज श्री तिलकराज अग्रवाल का पूरा परिवार भाई भतीजे सभी मिलकर अग्रोहा विकास संस्थान द्वारा निर्मित शीला माता शक्ति मंदिर के कार्य को सुचारू रूप से चला रहे है।

जनवरी में श्री तिलकराज जी अग्रवाल के निधन के पश्चात् मार्च 1988 को अग्रोहा में हरियाणा सरकार ने अग्रोहा में महाराजा अगसेन मेडिकल कॉलेज के निर्माण हेतु अग्रोहा डेवलपमेन्ट बोर्ड का गठन किया और श्री घनश्यामदास गोयल, श्री बनारसीदास गुप्ता श्री ओमप्रकाश जिन्दल के नेतृत्व में अप्रेल 1988 में उसका रजिस्ट्रेशन हुआ । इसके निमित्त 267 एकड़ जमीन जिसकी कीमत 103.20 लाख हरियाणा सरकार ने अधिग्रहण किया और उसे मेडिकल कॉलेज के निर्माण के लिए 1 रू की लीज पर सोसायटी को दिया उसका शिलान्यास 21 मई 1989 को हरियाणा के मुख्य मंत्री - चौधरी देवीलाल ने किया और इसके निर्माण में 50% अग्रवाल समाज और 50% हरियाणा सरकार और इसके संचालन में 99% खर्चा हरियाणा सरकार वहन कर रही है। आज हमें खुशी है कि आज यह कॉलेज वर्तमान प्रेसीडेन्ट **श्रीमती सावित्री जिन्दल** के नेतृत्व में निरंतर प्रगतिशील है और आज इस मेडिकल कॉलेज पर लगभग 173.00 करोड़ खर्च हो चुका है । इस हॉस्पीटल मे CT scan, MRI, CathLab, बेन्टिलेटर , डायलासिस यूनिट, ऑपरेशन थियेटर, स्पेशलिटी हॉस्पीटल, डॉक्टर्स होस्टल, स्पोर्ट्स कॉम्पलैक्स, धर्मशाला आडिटोरियम आदि अनेकानेक आधुनिक सुविधाऐं उपलब्ध हैं।

गत वर्ष श्री मधुसूदन जी अग्रवाल (अजंता फार्मा) द्वारा समता पुरूषोत्तम अग्रवाल केन्सर हॉस्पीटल और रिसर्च इन्स्टीट्यूट टाटा का निर्माण भी हो रहा है जिसमें लगभग 70 करोड़ रूपये की लागत आयेगी भविष्य में यह कॉलेज हरियाणा पंजाब और राजस्थान में सबसे बड़ा कॉलेज बन जायेगा जिससे अधिक से अधिक लोगों को इसका लाभ मिल सकेगा । **www.mamc.edu.in**

हमें खुशी है कि अग्रोहा विकास ट्रस्ट द्वारा अग्रोहा धाम में आज 250 कमरों सहित, महाराजा अगसेन मंदिर, कुलदेवी महालक्ष्मी मंदिर, वीणावादिनी माँ सरस्वती मंदिर, हनुमान मंदिर व 90 फुट की भगवान मारूति की प्रतिमा, माँ वैष्णोदेवी, तिरूपति बालाजी, रामेश्वरधाम, बाबा भैरव मंदिर, महाराजा अग्रसेन जी को महालक्ष्मीजी का वरदान आदि की झांकिया, भगवान श्रीकृष्ण एवं राम दरबार की झांकिया, गंगावतरण, नौकाबिहार, शक्ति सरोवर, डायनासोर, माँ अन्नपूर्णा, सिंहद्वार, श्री अग्रसेन वैष्णव गौशाला और निर्माणाधीन म्युजियम आदि अनेकानेक मंदिरों एवं झाकियों से सुशोभित अग्रोहा धाम की मनोहारी छवि देखते ही बनती है ।

अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन द्वारा निर्मित अग्रविभूति स्मारक जिसमें भगवान अग्रसेन जी, माधवी जी, और उनके 18 पुत्रों का भव्य मंदिर, तथा वैश्व समाज के 58 अग्र विभूतियों के स्टेचू - सर्व प्रथम **श्री तिलकराजजी अग्रवाल, श्री लाला लाजपतराय, श्री जमुनालाल बजाज, श्री बनारसीदास गुप्ता, श्री किशन मोदी, श्री रामेश्वरदास गुप्त, श्री करोड़ीमल अग्रवाल** आदि अनेक अग्रविभूतियों के स्टेच्यू लगे हैं तथा 100 A/C कमरों का निर्माण भी पूरा हो चुका है तथा वहाँ पर म्यूजियम, लायब्रेरी, रिसर्च सेन्टर तथा अष्ट लक्ष्मी मंदिर का निर्माण भी हो रहा है। **www.allagarwal.org**

अग्रोहा को पॉचवां धाम बनाने में आदरणीय श्री बनारसीदास गुप्ता (पूर्व मुख्य मंत्री-हरियाणा), अग्रोहा विकास ट्रस्ट के श्री नन्दकिशोर जी गोइनका, श्री सुभाष गोयल, मेडिकल कॉलेज के श्री ओमप्रकाश जिन्दल (समस्त जिन्दल परिवार), अग्रवाल सम्मेलन के श्री गोपालशरण गर्ग आदि अनेकानेक बन्धुओं ने भगीरथ प्रयास किया उसे हम कभी भी नहीं भुला सकते ।

अग्रोहा में आज अग्रोहा धाम, अग्रविभूति स्मारक, महाराजा अग्रसेन मेडिकल कॉलेज, श्री अग्रसेन वैष्णव गौशाला या हमारा अग्रोहा विकास संस्थान द्वारा निर्मित शीला माता शक्ति मंदिर ये सभी अग्रोहा धाम की गरिमा में चार-'चाँद लगा रहे हैं। आज हमें खुशी है कि श्री तिलकराज जी अग्रवाल और उनके सभी साथियों ने अग्रोहा विकास का जो सपना देखा था वह आज पॉचवां धाम बनने से शतप्रतिशत निश्चय ही साकार होता दिख रहा है। अग्रोहा का विकास ही उनके शताब्दी वर्ष में उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है ।